


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 102] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 19, 1993/माघ 30, 1914
No. 102] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 19, 1993/MAGHA 30, 1914

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जितने कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

धन-कर

का.आ. 115(प्र).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धन कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) की धारा 23 की उपधारा (Iक) के खंड (ऱ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, मामलों की प्रकृति, अंतर्गत जटिलताओं और अन्य सुसंगत तथ्यों को ध्यान में रखते

हुए, यह निदेश देता है कि निम्नलिखित आदेशों में से किसी के प्रति आक्षेप करने वाला व्यक्ति ऐसे निर्धारण या ऐसे आदेश के विरुद्ध अपील आयुक्त (अपील) को कर सकेगा —

- (i) निर्धारिती के, जो एक कम्पनी है, विरुद्ध कोई आदेश, जहां निर्धारिती धन-कर अधिनियम के अधीन अवधारित शुद्ध धन की रकम के प्रति आक्षेप करता है या उक्त अधिनियम के अधीन उसके द्वारा संदेय के रूप में अवधारित धन-कर की रकम के प्रति आक्षेप करता है या उक्त अधिनियम के अधीन निर्धारित किए जाने के अपने शायित्व से इकार करता है और उक्त अधिनियम की धारा 16 के अधीन किए गए निर्धारण पर अवधारित शुद्ध धन पन्द्रह लाख रुपए से अधिक नहीं है।
- (ii) किसी ऐसे निर्धारिती के मामले में, जो एक कंपनी है, (उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (Iक) के खंड (ख), खंड (ग) और खंड (घ) में उल्लिखित आदेशों में भिन्न) उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) के खंड (घ) और खंड (च) में खंड (जक) तक (जिसमें दोनों खंड सम्मिलित हैं) में विनिर्दिष्ट आदेश में।

उपर्युक्त अधिसूचना तारीख 19-2-1993 से प्रभावी होगी।

[फा. स. 328 102/92-ब्ल्यू टी.]
एम.के. गुप्त, अवर मंचिव (धन-कर)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES
NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1993

WEALTH-TAX

S. O. 115(E).—In exercise of the powers conferred by Clause (e) of Sub-section (IA) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes, having regard to the nature of the cases, the complexities involved and other relevant considerations, hereby directs that any person objecting to any of the following orders may appeal to the Commissioner (Appeals) against such assessment of such order :—

- (i) An order against the assessee, being a company, where the assessee objects to the amount of net Wealth determined under the Wealth-Tax Act or objects to the amount of Wealth-Tax determined as payable by it under

the said Act or denies its liability to be assessed under the said Act, and the net Wealth determined on assessment made under section 16 of the said Act does not exceed fifteen lakh rupees.

(ii) An order (other than the orders mentioned in clauses (b), (c) and (d) of Sub-section (1A) of Section 23 of the said Act) specified in Clauses (d) and (f) to (ha) (both inclusive) of Sub-section (1) of Section 23 of the said Act in the case of any assessee, being a Company.

The above notification shall take effect from 19-2-1993.

[F. No. 328/102/92-WT]

S. K. GUPTA, Under Secy. (WT)